



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 382 ]  
No. 382]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 25, 1999/आषाढ़ 4, 1921  
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 25, 1999/ASADHA 4, 1921

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जून, 1999

आयकर

का.आ. 499(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 50ख की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (इकीसकां संशोधन) नियम, 1999 है।  
(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन यी तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- आयकर नियम, 1962 में, नियम 67 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःरक्षापिता किया जाएगा, अर्थात् :-  
“गणगण मंदी विक्रय की दशा में रिपोर्ट।
- 6ज. मंदी विक्रय की दशा में, धारा 50ख की उपधारा (3) के अधीन आयकर की विधरणी के जाप लेखापाल की रिपोर्ट जिराका प्रत्येक निर्धारिती द्वारा दिया जाना अपेक्षित है, प्ररूप रा. 3गड़.क में होगी।”।
- आयकर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्ररूप रा. 3गड़. के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःरक्षापिता किया जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप रा. 3गड़.क  
[नियम 67 से देखिए]

मंदी विक्रय की दशा में पूंजी अभिलाभ की संगणना की बावत आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 50ख की उपधारा (3) के अधीन निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली लेखापाल की रिपोर्ट

\* \* \*

1. मंदी विक्रय प्रभावित करने वाले निर्धारिती की विशिष्टियां :  
 (क) नाम .....  
 (ख) पता .....  
 (ग) स्थायी लेखा सं. .....  
 (घ) कारबाह की प्रकृति .....
2. गंदी विक्रय के माध्यम से अंतरित उपक्रम या खंड का न्यौरा :  
 (क) पता/अवस्थिति .....  
 (ख) कारबाह की प्रकृति .....
3. (क) मंदी विक्रय प्रभावित करने वाले निर्धारिती की स्थिर आस्तियों का बही मूल्य .....  
 (ख) मंदी विक्रय के माध्यम से अंतरित उपक्रम या खंड की रिपोर्ट आस्तियों का नहीं गूँजा .....  
 (ग) (ख) (क) तक का औसत .....  
 (घ) जहां निर्धारिती के पास एक से अधिक उपक्रम या खंड हैं जो मंदी विक्रय के द्वारा अंतरित किए जा रहे हैं, प्रत्येक उपक्रम या खंड की बाबत उपरोक्त मद (3ग) में यथा रांगणित अनुपात । .....
4. मद 2 में निर्दिष्ट उपक्रम या खंड खरीदने वाले व्यक्ति का नाम, पता और स्थायी लेखा सं. .....
5. गद 2 में निर्दिष्ट उपक्रम या खंड की मंदी विक्रय की नारीख .....
6. गद 2 में निर्दिष्ट मंदी विक्रय के लिए प्राप्त प्रतिफल की रकम । .....
7. मंदी विक्रय प्रभावित करने वाले निर्धारिती का शुद्ध मूल्य :  
 (क) संकरत पूँजी ..... रु.  
 (ख) लाभ और शेयर प्रीमियम लेखा में रो जमा की गई खुली आरक्षितियां किन्तु जिराके अंतर्गत आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन, अवक्षयण की प्रतिलेखन व्यवस्था और समामेलन में रो जमा की गई आरक्षितियां नहीं हैं :  
 (i) ..... रु.  
 (ii) ..... रु.  
 (iii) ..... रु.  
 (iv) ..... रु.  
 कुल ..... रु.
8. मद 2 में निर्दिष्ट मंदी विक्रय के माध्यम से अंतरित उपक्रम या खंड के शुद्ध मूल्य की संगणना उपदर्शित करें ।  
 (उपक्रम या खंड के शुद्ध मूल्य की संगणना ऊपर मद 3(ग) में वर्णित ओरात को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए । यदि आवश्यक हो, तो कृपया पृथक शीरू संलग्न करें) .....

## प्रगाणपत्र

<sup>1</sup>मैंने/हमने ..... तारीख..... को समाप्त हुए वर्ष के  
(नाम)  
दीरान..... के लेखाओं और अभिलेखों को जांच कर ली है।  
(नियरिती का नाम और पता)

<sup>1</sup>मैंने/हमने ऐसी सभी जानकारी और रूपांकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मेरे/हमारे रावौत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार मंदी विक्रय के माध्यम से अंतरित उपक्रम या खंड के शुद्ध मूल्य के अभिनिश्चय और संगणना के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

<sup>1</sup>मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 50ख के उपबंधों के अनुसार उपक्रम या खंड के शुद्ध मूल्य की संगणना सही रूप से कर ली है।

.....  
हरताक्षर  
<sup>2</sup>लेखापाल

रथान :.....  
तारीख :.....

टिप्पण : .....

- 1 जो लागू न हो उरो काट दीजिए।
- 2 लेखापाल रो ऐरा लेखापाल अभिप्रेत है, जो आयकर अधिनियम वी पारा 288 की उपधारा (2) के नीते रूपांकरण में परिभाषित है।
3. मद 7 में शुद्ध मूल्य की संगणना, रूपण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985(1986 का 1) की धारा 3 की उपधारा(1) के खंड (छ) के अनुसार की जानी चाहिए।
4. कृपया मद 7(ख) में पृथक रूप रो खुली आरक्षितियों के लौरे उपदर्शित करें।
5. यह प्रस्तुत आय की विवरणी के साथ फाइल किया जाएगा, जिसके राथ आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 के उपबंधों के अनुसार लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र अथवा लाभ और हानि तथा तुलनपत्र की संपरीक्षित प्रतियां भी होंगी।
6. मंदी विक्रय के माध्यम से अंतरित प्रत्येक उपक्रम या खंड के शुद्ध मूल्य की संगणना पृथक रूप से उपदर्शित करें।

[ अधिसूचना सं. 10967/फा. सं. 142/10/99-टीपीएल ]

डी. करुणाकर राव, अवर सचिव

टिप्पण : | मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ) तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना का.आ सं. 479...तारीख... 23.6.99..... द्वारा आयकर नियम (वास्तवा.....संशोधन) नियम द्वारा किया गया।

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**  
**(Central Board of Direct Taxes )**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th June, 1999

**INCOME-TAX**

**S.O. 499(E).—** In exercise of the powers conferred by section 295, read with section (3) of section 50B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further, to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rules, 1999.  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 6G, the following shall be inserted, namely:-

“CCCC. Report in the case of slump sale.

6H. Form of report of an accountant under sub-section (3) of section 50B.—“Report of an accountant which is required to be furnished by every assessee along with the return of income, in case of slump sale, under sub-section (3) of section 50B shall be in Form No. 3CEA.”

3. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, after FORM NO. 3CE, the following Form shall be inserted, namely:-

“FORM NO. 3CEA

[see rule 6H]

**Report of an accountant to be furnished by an assessee under sub-section of section 50B of the Income-tax Act, 1961 relating to computation of capital gains in case of slump sale.**

\*\*\*

1. Particulars of the assessee effecting the slump sale:

(a) Name	_____
(b) Address	_____
(c) Permanent account number	_____
(d) Nature of business	_____

2. Details of the undertaking or division, transferred by way of slump sale:

- Address/Location \_\_\_\_\_
- Nature of business \_\_\_\_\_

3. (a) Book value of the fixed assets of the assessee effecting the slump sale \_\_\_\_\_

(b) Book value of the fixed assets of the undertaking or division, transferred by way of slump sale \_\_\_\_\_

(c) Ratio of (b) to (a) \_\_\_\_\_

(d) Where the assessee has more than one undertaking or division, being transferred by way of slump sale, the ratio as computed in item 3(c) above in respect of each undertaking or division. \_\_\_\_\_

4. Name, address and permanent account number of the person who has purchased the undertaking or division referred to in item 2. \_\_\_\_\_

5. Date of slump sale of the undertaking or division referred to in item 2. \_\_\_\_\_

6. Amount of consideration received for slump sale referred to in item 2. \_\_\_\_\_

7. Net worth of the assessee effecting the slump sale:

- Paid up capital \_\_\_\_\_
- Free reserves credited out of the profits and share premium account but does not include reserves credited out of revaluation of assets, write back of depreciation provisions and amalgamation:

(i) _____	Rs.-----
(ii) _____	Rs.-----
(iii) _____	Rs.-----
(iv) _____	Rs.-----

(c) **Total** \_\_\_\_\_

8. Indicate the computation of the net worth of the undertaking or division referred to in item 2 which is transferred by way of slump sale.  
(Net worth of the undertaking or division should be computed keeping in view of the ratio mentioned in item 3(c) above. Please attach separate sheet, if necessary) \_\_\_\_\_

1903 Oct 199 - 2

Signed  
<sup>2</sup>Accountant

## CERTIFICATION

<sup>1</sup>I/We \_\_\_\_\_ have examined the accounts and records of \_\_\_\_\_  
 (name) \_\_\_\_\_ during the year ended on \_\_\_\_\_  
 (Name and address of the assessee)

<sup>1</sup>I/We have obtained all the information and explanations which to the best of my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of ascertaining and computing the net worth of the undertaking or division which has been transferred by way of slump sale.

<sup>1</sup>I/We certify that the net worth of the undertaking or division has been computed correctly in accordance with the provisions of section 50B of the Income-tax Act, 1961.

Signed  
<sup>2</sup>Accountant

Place.....  
 Date.....

## Notes:

1. Delete whichever is not applicable.
2. Accountant means the accountant as defined in Explanation below subsection (2) of section 288 of the Income-tax Act.
3. The net worth in item 7 should be computed in accordance with the clause (ga) of sub-section (1) of section 3 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986).
4. Please indicate details of free reserves separately in item 7(b).
5. This form shall be filed along with return of income duly accompanied by copies of the profit and loss account and balance sheet or audited profit and loss account and balance sheet in accordance with the provisions of section 139 of the Income-tax Act, 1961.
6. Indicate separately the computation of net worth of each undertaking or division transferred by way of slump sale.

[Notification No. 10967/F. No. 142/10/99-TPL]

D. KARUNAKARA RAO, Under Secy.

Note: The principal rules were published vide notification number S.O.969(E) dated 26.3.1962 and were last amended by Income-tax (20th Amendment) Rules, 1999 vide Notification S.O. No. 479 dated 23-6-99.